श्री अजितेश कुमार केन्द्रीय उर्जा अभियंत्रण सेवा (सेंट्रल पावर इंजीनियरिंग सर्विसेस) (ग्रुप ए) के 2006 बैच के अधिकारी हैं। इनका चयन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अभियंत्रण सेवा परीक्षा, 2005 के जरिए किया गया है। इन्होंने गोविन्द बल्लभ पंत युनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर उतराखण्ड से बी.टेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) किया है।

इन्होंने 2008 में सेन्ट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऑथोरिटी नई दिल्ली में पदभार ग्रहण किया और वर्ष 2016 तक हाइड्रो इलेक्ट्रीक प्रोजेक्ट के विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का मूल्यांकन भी किया। वर्ष 2016 में उनकी नियुक्ति पावर प्लांट ऑपरेशन हैंड्स-ऑन-एक्सपोज़र के लिए टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) में हुई और उनकी पदस्थापना टिहरी हाइड्रो इलेक्ट्रीक प्रोजेक्ट, उतराखण्ड के पावर हाउस में हुई।

वर्ष 2017 में सीईए से वापस होने के बाद इनकी पदस्थापना पावर सिस्टम प्रोजेक्ट मोनेटरिंग डिवीज़न में हुई तथा वे टेरिफ आधारित कम्पीटिटीव बिडिंग स्कीम के तहत आवंटित ट्रांसमिशन परियोजनाओं और राष्ट्रीय महत्त्व के अन्य ट्रांसमिशन परियोजनाओं में सितम्बर, 2019 तक कार्यरत रहे।

वर्तमान में वे कोयला मंत्रालय में उप सचिव के रूप में भारत सरकार के सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के तहत डेपुटेशन में हैं और माइन एंड मिनरल (डेवलपमेंट और रेगुलेशन) अधिनियम, 1957 के तहत कोल/लिग्नाइट से संबंधित आवंटित मामलों के लिए जवाबदेह हैं।

दिनांक 13.01.2020 से सीएमपीडीआई बोर्ड के स्थायी आमंत्रित सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए है।